Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 17-08-2006

Participants : Munshiram Shri

>

Title: Need to include Dhangad/Dhangar caste in the list of Scheduled Castes in the country.

श्री मुंशी राम (बिजनौर) : उपाध्यक्ष महोदय, धन्यवाद। भारतर्वा में 1931 की जनगणना के समय डिप्रैस्ड क्लास की पहचान करके उसे 1936 में सूचीबद्ध किया गया था। सन् 1950 में इसी डिप्रैस्ड क्लास को आर्टिकल 341 के अंतर्गत अनुसूचित जातियों के रूप में नोटिफाइड किया गया। उक्त व्यवस्था के अंतर्गत शैफर्डस धनगर उपजाति को सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश, जो कि आज उत्तर प्रदेश एवं उत्तरांचल प्रदेश है, अनुसूचित जाति की श्रेणी में यथावत है। राजस्व विभाग के कर्मचारी, अधिकारी भ्रमवश अथवा संवैधानिक असमानता धनगर को अनुसूचित जाति की बजाए, उसकी मुख्य जाति गडरियों के साथ जोड़ कर पिछड़ी जाति मानते हैं, जोकि आर्टिकल 341 का उल्लंघन है, जब कि धनगर/धंगड़ गड़िया समाज की वह उपजाति है, जो कामगार भेड़ की ऊन से उसे कात कर कम्बल बुनने का मुख्य रूप से कार्य करती है, जिसे भारत सरकार के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा मान्य विबलोग्राफी ऑन एस.सी./ एस.टी. एंड मार्जिनल कम्युनिटी 1961 व 1982 में उल्लेखित समाज शास्त्रियों ने धनगर समाज को अमनुसूचित जाति में बताया, जोकि विबलोग्राफी ऑन एस.सी./ एस.टी. के पृठ संख्या 294 पर अंकित धंगड़/ धनगर के बिहार, उत्तर प्रदेश व पश्चिम बंगाल के संदर्भ में अनुसूचित जाति में बताया गया। इसी प्रकार श्री लिस्टस ने अपनी पुस्तक कास्ट एंड ट्राइब्स आफ स्वर्ण इंडिया मद्रास 1909 वोल्यूम II के पृठ 167 तथा जे.एस. हटन ने अपनी पुस्तक कास्ट इन इंडिया बॉम्बे 195, पृठ संख्या 278 एवं एम.ए. सैरिंग ने अपनी पुस्तक हिन्दू ट्राइब्स एंड कास्ट के पृठ संख्या 190 पर धनगर/ धंगड़ की शैफहर्ड गोटहर्ड कास्ट बताया, जिसकी सहमति श्री आर.सी. शर्मा ने सैनसस ऑफ इंडिया, 196, वोल्यूम 15, पार्ट VII के हैंडीक्राफ्ट सर्वे के मोनोग्राफ 1 के चैप्टर II में गडरियों की धनगर उपजाति बताया एवं धनगर के घर खाना वैश्य एवं ब्राह्म्ण नहीं खाते।

भारत सरकार द्वारा 27-7-1977 को किस प्रकार धनगर अनुसूचित जाति को सूची में से निकाला गया एवं धनगर जाति को किस श्रेणी में माना गया। इससे प्रतीत होता है कि पूर्व की सरकारों द्वारा अनुसूचित जाति की जाति धनगर के लोगों के साथ धोखा किया गया cè[R88]।

महोदय, ऐसा इसलिए किया जा रहा है जिससे इस समाज का उत्थान न हो सके। अतः मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि धंगड़/धनगर समाज को पूरे भारत में अनुसूचित जाति का लाभ दिया जाए।